कोटा के 133वें राष्ट्रीय दशहरा मेले का भव्य शुभारंभ, शिक्षा मंत्री दिलावर ने फहराया ध्वज

कोटा का दशहरा मेला लोक आस्था और एकता का प्रतीक है-मंत्री मदन दिलावर

कोटा, (निसं)। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक 133वें राष्ट्रीय दशहरा मेले का रविवार को श्रीराम रंगमंच पर भव्य व गरिमामय वातावरण में औपचारिक शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर समेत अतिथियों ने मेला ध्वज फहराकर, आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर और आतिशबाजी के साथ मेले के उद्घाटन की घोषणा की। इस अवसर पर मेले की आधिकारिक वेबसाईट का भी लोकार्पण किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मदन दिलावर ने मेले की भव्यता और दिव्यता में हर वर्ग की सहभागिता पर बल देते हुए कहा कि कोटा का दशहरा मेला लोक आस्था और एकता का प्रतीक है। उन्होंने निर्देश दिए कि मेले से जुड़े प्रत्येक घटक चाहे वे व्यापारी हों, स्थानीय कलाकार हों, दूर-दराज से आने वाले दर्शनार्थी हों या सहयोग करने वाले कर्मचारी सभी को पूरा मान-सम्मान मिले और उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

समारोह को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से इस मेले को और अधिक आकर्षक बनाया जाएगा। कोटा को केवल शिक्षा नगरी के साथ एक प्रमुख पर्यटन नगरी के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का पावन अवसर और रावण दहन का प्रतीक हमें यह संदेश देता है कि हमें असत्य पर सत्य की विजय के साथ-साथ अपने जीवन की बुराईयों का भी अंत करना होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि ऊर्जा विभाग मेले में जगमगाहट और भव्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में अपना पूरा योगदान दे रहा है।

विरासत और परंपराओं का जीवंत रूप-कार्यक्रम में लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि कोटा दशहरा मेले की परंपराओं से उनके परिवार का ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की प्रेरणा से आज कोटा में विरासत और विकास का बेहतरीन समन्वय देखने को मिल रहा है। उन्होंने समाज में महिलाओं के सम्मान को पूजा का सच्चा रूप बताया। वहीं, शहर भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि यह मेला जन-आस्था और सपनों का संगम है, जिसे भाजपा बोर्ड और सरकार निरंतर नई ऊंचाईयों पर ले जा रही है। महापौर अनुसूइया गोस्वामी ने मेले को कोटा की गौरवशाली विरासत बताते हुए कहा कि पीढ़ि यों के बदलने के बावजूद इस मेले से जन-जन का भावनात्मक जुड़ाव आज भी वैसा ही अक्षुण्ण है।

उपमहापौर विवेक राजवंशी ने भी मेले को देशभर में विशिष्ट पहचान दिलाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि कोटा दशहरा मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। इसे निरंतर बेहतर बनाने में हमें सब कोटावासियों का भरपूर सहयोग मिला है। हमारा प्रयास है कि इसकी पहचान देश भर में पहुंचे।

स्वागत भाषण देते हुए मेला अधिकारी एवं निगम आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने कहा कि कोटा दशहरा मेला सामाजिक समरसता, व्यापार और लोक कला का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में इस बार दर्शकों को सुरक्षित वातावरण, बेहतरीन व्यवस्थाएं और उच्चस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त भावना सिंह ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में रेड क्रॉस सोसाईटी के अध्यक्ष राजेश बिरला, भाजपा प्रवक्ता पंकज मेहता, आईएएस उत्कर्ष यादव, उपायुक्त धीरज कुमार सोनी एवं मुख्य अभियंता महेश गोयल, फॉयर ऑफिसर राकेश व्यास, उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया, सत्यनारायण राठौर, पार्षदगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेले का श्रीराम रंगमंच पर भव्य व गरिमामय वातावरण में शुभारंभ हुआ ।

- रावण दहन के साथ-साथ जीवन की बुराइयों का भी करें दहन - ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर

अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद, महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार



रामपुरा कोतवाली व डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए महिला तस्कर सहित तीन आरोपी पकड़े।

कोटा, (निसं)। रामपुरा कोतवाली एवं डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से इलाके में स्थित सरोवर पार्किंग के पास से कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त एक महिला सहित कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25.2 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री राशि 50,070 रूपये बरामद की है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधि एवं मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ थाना रामपुरा कोतवाली के थानाधिकारी देशराज सिंह मय जाप्ता एवं शहर की डीएसटी टीम ने संयुक्त रुप से कार्यवाही को अंजाम दिया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने रामपुरा कोतवाली इलाके के सरोवर पर्किंग के पास से कार्यवाही करते हुए जिला अमरेली गुजरात की रामनाथ परा हाथी खाना 8 नम्बर राजकोट निवासी डाबी संगीता बेन (35) उसके सह आरोपी गुजरात निवासी मोमताजुल मलिक (21) एवं नयापुरा निवासी शाहरुख अली (26) को गिरफ्तार किया है, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से अवैध मादक पदार्थ 2.5 ग्राम स्मैक एवं बिक्री राशि 50,070 रुपये बरामद किये है। प्रकरण का अनुसंधान कैथूनीपोल के थानाधिकारी धारासिंह द्वारा किया जा रहा है।

- अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ थाना रामपुरा कोतवाली के थानाधिकारी देशराज सिंह मय जाप्ता व शहर की डीएसटी टीम ने संयुक्त रुप से कार्यवाही को अंजाम दिया
- जिला अमरेली गुजरात की रामनाथ परा हाथी खाना 8 नम्बर राजकोट निवासी डाबी संगीता बेन के पास से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 25.2 ग्राम बरामद की

चाकू दिखा कर बैग छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में सर्राफा व्यापारी को चाकू दिखाकर बैग छीनने के दर्ज मामले में नान्ता पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि 5 अक्टूबर को फरियादी अनिल जौहरी ने नान्ता थाने में रिपोर्ट दी, फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि सोने चांदी की दुकान चलाता हूं। रिपोर्ट में कहा कि बेटे के साथ दुकान बढ़ाकर सोमनाथ मंदिर के सामने पहुंचे तो रास्ते में बदमाश चाकू दिखाकर बैग छीन ले गए जिसमे कुछ नगद रुपए व सोने चांदी के आभूषण थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, घटना की गम्भीरात को देखते हुए अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थानाधिकारी महावीर मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज चैक किये गये। टीम द्वारा लगातार अपराधियों के रहने, छुपने के स्थानों पर निरन्तर दबिश दी गई। टीम को आरोपी साहिल उर्फ तरूण के पत्थर मण्डी में होने की सूचना प्राप्त हुई। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पत्थरमण्डी क्षेत्र की घेराबन्दी की गई। पुलिस को देख कर आरोपी ने फोरेस्ट की दीवार से छलांग लगाई जिससे उसके बांऐ पैर में मौच आ गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी साहिल उर्फ तरूण को मौके पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम ने पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश किया । जहां से आरोपी को पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा गया पकड़े गए आरोपी की निशादेही से घटना में प्रयुक्त चाकू व दस्तावेज बरामद किये गये। आरोपी से प्रकरण में अनुसंधान जारी है। घटना के मुख्य अभियुक्त पीयूष जैठी की तलाश पतारसी जारी है, जिसको भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

तारबंदी के नाम पर साइबर ठगी

सीकर । ऑनलाइन तार (वायर) मंगवाने के चक्कर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। फेसबुक एड के जरिए पीड़ित साइबर ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित ने सीकर के साइबर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। अब साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीकर निवासी नेमीचंद ने शिकायत देकर बताया कि उन्होंने फेसबुक पर खेत की तारबंदी पर लगाए जाने वाले तार का एक एड देखा था। जिस पर क्लिक करने के बाद उन्हें तार की रेट बताई गई। ऐसे में नेमीचंद ने 4.5 टन तार के लिए ऑर्डर दिया। इसके बाद उन्हें साइबर ठग ने विश्वास में लेने के एक बिल भी भेजा। ऐसे में वह विश्वास में आ गए। इसके बाद उन्हें 3 लाख 6 हजार 800 रुपए ट्रांसफर भी कर दिए। लेकिन उन्हें ऑर्डर नहीं मिला और उससे कांटेक्ट भी नहीं हो पा रहा। ऐसे में नेमीचंद ने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। जिसके बाद पुलिस के मुकदमा दर्ज हुआ है। अब साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिन अकाउंट में अमाउंट ट्रांसफर हुआ। उसके आधार पर अब साइबर थाना पुलिस आरोपियों का पता लग रही है।

साहित्यकार डॉ. जीवन सिंह, डॉ. हेतु भारद्वाज, सुनील लोहमरोड़ पुरस्कृत

जयपुर/चूरू । प्रयास संस्थान की ओर से चूरू के सूचना केंन्द्र में रविवार शाम हुए समारोह में बतौर अध्यक्ष बोलते हुए प्रख्यात साहित्यकार प्रो. असगर वजाहत ने कहा कि आज सवाल किया जाता है कि क्या साहित्य से समस्या का हल होता है। साहित्यकारों के सामने यह सवाल अगर है तो बड़ी चुनौती है। चुनौतियों को स्वीकार करना ही साहित्यकार का दायित्व होता है।

प्रो. वजाहत ने कहा कि साहित्य अनेक भूमिकाओं में होता है। सत्ता को दिशा देने में उसकी एक भूमिका है। यहीं से समस्यों का हल निकलता है। परंतु सत्ता को ध्यान रखना होता है कि शक्ति सत्ता को नहीं बनाती, अपितु सहमति से सत्ता का निर्माण होता है। वह सहमति बनी रहनी जरूरी है। प्रो. वजाहत ने कहा कि विचार नाव है, विचाररूपी नाव नदी पार करा सकते हैं, परंतु नदी पार करने के बाद आगे का सफर आपको स्वयं तय करना पडता है। समय और भूगोल की सीमा पार करने वाला ही महाबलि होता है। साहित्यकार डॉ. जीवन सिंह ने कहा कि आज हम अतीतगामी हो गए हैं, यह विचारशून्यता के कारण हो रहा है। जिंदगी के अनुभवों से सृजित साहित्य जनता से जुड़ा रहता है और वहां से विचार प्रस्फुटित होते हैं। पश्चिम की आलोचना मात्र ही हमारे अतीत का गौरव नहीं, अपितु अपनी बीमारियों और रूढ़ियों का मूल्यांकन ही हल है। साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज ने कहा कि लेखक के सामने सिर्फ जिंदगी ही चुनौती है और जिसने उस जिंदगी को लिखने का साहस कर लिया वही साहित्यकार है। जो लोगों में घुला-मिला न हो वह लेखक नहीं हो सकता। जनता से जुड़ाव ही उसकी पहचान होती है। युवा साहित्यकार सुनील लोहमरोड़ ने अपनी काव्यात्मक प्रस्तुति में कहा कि आमंत्रण का सम्मान ही साहित्यकार का इम्तहान होता है। युवा साहित्यकार मनीष मीणा ने कहा कि जल, जंगल, जमीन की बात करते हुए वक्त को समझना युवा लेखन के बरक्स आज चुनौती है।

इससे पूर्व समारोह में प्रयास संस्थान का घासीराम वर्मा साहित्य पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए अलवर के डॉ. जीवन सिंह एवं 2026 के लिए जयपुर के डॉ. हेतु भारद्वाज को तथा रूकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए भोजाण-राजगढ के सुनील लोहमरोड़ सोनू को एवं 2026 का पीलोडी-दौसा के मनीष मीणा को दिया गया। घासीराम वर्मा पुरस्कार अंतर्गत इक्कावन-इक्कावन हजार रुपये, शॉल, साफा, सम्मान पत्र प्रदान किया गया। वहीं युवा पुरस्कार के तहत ग्यारह-ग्यारह हजार रुपय शॉल, साफा, सम्मान पत्र दिया गया। समारोह में आयोजन सहयोगी पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रेखाराम खीचड़, इतिहासकार प्रो. खेमचंद सोनी, पुरस्कृत साहित्यकारों के परिजन रामखिलारी मीणा, नारंगी मीणा, रजनीश भारद्वाज, सुरेंद्र कुमार जैन एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. असगर वजाहत का भी सम्मान किया गया। समारोह में साहित्यकार डॉ. भरत ओला, इंजीनियर सोहनलाल फगेड़िया, प्रो. एचआर ईसराण, प्रो. कमल सिंह कोठारी, प्रो. एलएन आर्य, प्रो. राजकुमार लाटा, रामरतन सिहाग, डॉ. रामकुमार घोटड़, नरेंद्र सैनी पार्षद, विकास मील, मनराज कांटीवाल, मोहनलाल अर्जुन, डॉ. निरंजन चिराणिया, किशोर कुमार निर्वाण, श्यामसुंदर शर्मा, शेरखां मलकांण, जमील चैहान, विनीता स्वामी, गीता रावत, सत्यनारायण बाकोलिया, शैलेंद्र माथुर, श्रीकृष्ण श्योराण, जगदीश प्रजापत, अशोक डूडी, रामागोपाल, हरिसिंह सिरसला, सुधीन्द्र सुधी, पूनमचंद गोदारा, विवेकदीप, देवीलाल महिया, डॉ. कृष्णा जाखड, शबाना शेख, संतोष रणवां, राहुल शर्मा आदि ने स्वागत किया। समारोह में नगर के अनेक गणमान्य साहित्यप्रेमी मौजूद रहे। स्वागत भाषण संस्थान अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने दिया। संचालन संस्थान सचिव कमल शर्मा ने किया।



प्रयास संस्थान की ओर से चूरू के सूचना केंन्द्र में रविवार शाम हुए समारोह में साहित्यकारों को पुरुस्कृत किया।

- प्रो. वजाहत ने कहा कि विचार नाव है, विचाररूपी नाव नदी पार करा सकते हैं, परंतु नदी पार करने के बाद आगे का सफर आपको स्वयं तय करना पड़ता है।

जयपुर से आए ज्वेलरी व्यवसायी के जोधपुर में डायमंड व सोने के गहने चोरी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की एक होटल में ज्वेलरी एग्जीबिशन में जयपुर से आए व्यवसायी के डायमंड और सोने के गहने चोरी हो गए। होटल के कमरे से चेक-आउट के बाद करोड़ों का माल गायब मिला। व्यवसायी ने होटल के सफाई कर्मचारी और सुपरवाइजर पर शक जताया है। उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर के श्याम नगर निवासी प्रमोद कुमार मोसूण ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया गया है कि कि वो जेकेजे एंड सन्स ज्वेलर्स के डायरेक्टर हैं। उनकी फर्म राजस्थान के विभिन्न शहरों में ज्वेलरी एग्जीबिशन लगाती है। इसी सिलसिले में वे 18 सितंबर से 20 सितंबर 2026 तक जोधपुर के रेडिसन होटल में आयोजित ज्वेलरी एग्जीबिशन में हिस्सा लेने आए थे। प्रमोद कुमार ने पुलिस को बताया कि वे अपनी पत्नी और स्टाफ के साथ 17 सितंबर को जोधपुर पहुंचे थे और होटल के कमरा नंबर 215 में रुके थे। उनके पास एक हीरे की अंगूठी, एक सोने की चेन, एक हीरे का पेंडल और सोने से जड़ी रुद्राक्ष की माला थी, जिसे वे रोजाना रात को सोने से पहले कमरे के ड्रॉ में सुरक्षित रख देते थे और सुबह उठकर पहन लेते थे। 20 सितंबर 2026 को एग्जीबिशन के अंतिम दिन रात को सोने से पहले उन्होंने अपने सभी आभूषण हमेशा की तरह कमरे की दराज में सुरक्षित रखे थे।

बीकानेर : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बड़ा घोटाला

क्लेम के लिए एक ही नंबर के स्टाम्प से बनाई 8 फर्जी पॉलिसिया

बीकानेर । राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की आड़ में किसानों के हक और सरकारी खजाने पर डाका डालने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीकानेर जिले में एक के बाद एक सामने आ रहे योजनाबद्ध घोटालों ने समूचे कृषि विभाग, बीमा कंपनियों और पुलिस तंत्र को हिलाकर रख दिया है। ताजा मामला खरीफ 2026 के दौरान सामने आया है, जहां फर्जी गैर-ऋणी बंटाईदार किसानों के नाम पर जाली स्टाम्प पत्रों और कूटरचित नोटरी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर करीब आठ पॉलिसियां जारी करा ली गईं।

योजनाबद्ध तरीके से चलाए जा रहे इस खेल में ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की ऑडिट रिपोर्ट के बाद हड़कंप मचा, जिसके बाद कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने मामले को गंभीर मानते हुए संयुक्त निदेशक (कृषि) बीकानेर को तीन दिवस के भीतर एफआईआर दर्ज कराने के कड़े लिखित निर्देश जारी किए। इस आदेश के अनुपालन में सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) मीनाक्षी शर्मा ने गजनेर पुलिस थाने में विस्तृत साक्ष्यों के साथ परिवाद सौंपा, लेकिन पुलिस द्वारा अब तक मामला दर्ज न किए जाने से जांच प्रक्रिया ठप पड़ी है। भास्कर के पास इससे संबंधित दस्तावेज हैं।

फसल बीमा योजना में फर्जीवाड़े का पहला बड़ा मामला जसरासर तहसील के मेनसर, बगसेऊ, गजसुखदेसर और मूंडसर जैसे गांवों का है, जहां हल्का पटवारी, कृषि कर्मियों और ई-मित्रों की मिलीभगत से 100 से अधिक असली किसानों की जमीनों पर फर्जी बंटाईदार खड़े कर दिए गए और रबी व खरीफ का करोड़ों रुपये का क्लेम उठा लिया गया। इस मामले की जांच एएसपी ग्रामीण कर रहे हैं।

वहीं दूसरा मामला श्रीडूंगरगढ़ तहसील के पूनरासर गांव का है, जहां खरीफ 2025 के दौरान किसानों की जमाबंदी और खसरा नंबरों का गलत इस्तेमाल कर बिना उनकी जानकारी के 1 करोड़ से अधिक के क्लेम फर्जी खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। पुलिस की जांच में करीब 25-26 फर्जी पॉलिसियां उजागर हुई हैं, लेकिन कृषि विभाग और इंश्योरेंस कंपनी ने पुलिस को अब तक दस्तावेज नहीं सौंपे हैं।

मदनलाल, संयुक्त निदेशक, कृषि (विस्तार) ने बताया कि 'फर्जी फसल बीमा क्लेम के मामले की एफआईआर गजनेर पुलिस ने दर्ज नहीं की। हमने एसपी से आग्रह किया है। ओमप्रकाश सुथार एसएचओ ने बताया कि 'कृषि बीमा के फर्जी क्लेम का मामला गजनेर हलके का नहीं है। विभाग के अधिकारी को संबंधित थाने में केस दर्ज कराना होगा। इमीचंद, एसएचओ, सेरुणा थाना ने बताया कि 'फर्जी तरीके से फसल बीमा का क्लेम प्रस्तुत करने के मामले की जांच में करीब 25 आवेदन फर्जी मिले हैं। कृषि विभाग और इंश्योरेंस कंपनी से दस्तावेज मांगे थे, जो अब तक नहीं मिले।'

फसल बीमा योजना के इस नेटवर्क का दायरा केवल एक इलाके तक सीमित नहीं है, हनुमानगढ़ जिले के परलीका व रामगढ़ क्षेत्र में भी इसकी गंभीर तकनीकी विसंगतियां सामने आई हैं। बीमा कंपनी और पंजाब नेशनल बैंक के ई-मेल पत्राचार से खुलासा हुआ है कि राज स्टेट लैंड पोर्टल से भू-अभिलेख डेटा का सही मिलान न होने के कारण सैकड़ों आवेदन खारिज या अटके हुए हैं।

ग्राम 15 एनटीआर के खाता संख्या 1363008800037324 में भू-अभिलेख में दर्ज वास्तविक बुवाई क्षेत्र और बैंक द्वारा दर्ज क्षेत्रफल में अंतर आने से बीमा पोर्टल त्रुटि दर्शा रहा है। वहीं ग्राम 7 बरवाली के खाता संख्या 1363008800038651 में बीमित राशि मात्र 583.93 बनने के कारण न्यूनतम 1,000 की शर्त पूरी न होने से आवेदन खारिज कर दिया गया। ये तमाम मामले बताते हैं कि एक तरफ जहां वास्तविक किसान तकनीकी खामियों के कारण दर-दर भटक रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ संगठित गिरोह जाली दस्तावेजों के दम पर आसानी से पॉलिसियां बनवाकर सिस्टम को चूना लगा रहे हैं।

जांच में सामने आई फर्जीवाड़े की प्रणाली बेहद चौंकाने वाली है। जालसाजों ने 100 मूल्य के एक ही नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पत्र का बार-बार इस्तेमाल कर फर्जी बंटाईदार अनुबंध पत्र तैयार किए। उदाहरण के तौर पर स्टाम्प नंबर पर कुल 4 अलग-अलग पॉलिसियां जारी करा ली गईं, जिनमें अलग-अलग किसानों की आईडी का प्रयोग कर हर बार भूस्वामी का नाम और जमीन का विवरण बदल दिया गया।

पत्नी-बच्चों से मिलने जा रहे डॉक्टर की कार भिड़ी, मौत

डूंगरपुर, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के हरिदेव जोशी हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर राजेश रोत की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। डॉ रोत सर्जरी डिपार्टमेंट के हेड थे। एक्सीडेंट रविवार (11 अक्टूबर) सुबह 3 बजे जिले के जेठाना में नेशनल हाईवे 927-ए पर हुआ। पुलिस के अनुसार रोत की क्रेटा कार आगे चल रही गाड़ी से भिड़ गई थी। कार का अगला हिस्सा चूकनाचूर होने से रोत अंदर ही फंस गए थे। उन्हें बड़ी मुश्किल से गंभीर हालत में बाहर निकाला गया था। सागवाड़ा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ. राजेश रोत जिले के वरदा थाना क्षेत्र के नौकना गांव के रहने वाले थे। उनके पिता किसान हैं। रोत के बड़े भाई भगवतीलाल ने बताया कि डॉ. राजेश शनिवार रात करीब 11 बजे डूंगरपुर से बांसवाड़ा जाने के लिए निकले थे। वे पत्नी और बच्चों के पास जा रहे थे। आडीवाट पेट्रोल पंप के पास उनसे आगे चल रही गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे डॉ. रोत की कार उसमें घुस गई। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज शुरू होने के साथ ही डॉ. राजेश रोत और उनकी पत्नी डॉ. ममता डामोर यहां पोस्टेड थे। उनकी पत्नी डॉ. ममता का पिछले दिनों ही बांसवाड़ा में ट्रांसफर हो गया था। वो एनेस्थीसिया डिपार्टमेंट हैं। परिवार ने बताया ममता और बच्चे बांसवाड़ा में ही रहते हैं।

5 लाख की अवैध शराब जब्त, 20 लाख की क्रेटा कार भी पकड़ी



डूंगरपुर के चौरासी थाना पुलिस ने अंग्रेजी शराब जब्त की ।

डूंगरपुर, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव के चलते अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में चौरासी पुलिस ने वैजा पुलिस चौकी के पास कार्रवाई की। पुलिस ने एक क्रेटा कार से करीब 5 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है।

नाकाबंदी के दौरान एक क्रेटा कार का ड्राइवर पुलिस को देखकर वापस मुड़ने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो वह एक होटल के सामने कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें अलग-अलग ब्रांड की अंग्रेजी शराब और बीयर के कार्टून मिले। जब्त शराब की कीमत करीब 5 लाख रुपए और क्रेटा कार की कीमत करीब 20 लाख रुपए है। कुल 25 लाख रुपए का माल जब्त किया गया। कार से कुल 1493 बीयर टीन, 575 पव्वे, 12 बोतलें और 96 हाफ अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने अवैध परिवहन के आरोप में आबकारी कानून के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

- नाकाबंदी के दौरान एक क्रेटा कार का ड्राइवर पुलिस को देखकर वापस मुड़ने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो कार छोड़कर भाग गया
- कार से कुल 1493 बीयर टीन, 575 पव्वे, 12 बोतलें और 96 हाफ अंग्रेजी शराब बरामद हुई।